भारत - बेलिज संबंध

बेलिज, जो पहले ब्रिटिश होंडुरस था, मध्य अमेरिका में एक मात्र अंग्रेजी भाषी देश है तथा यह राष्ट्रमंडल एवं एस आई सी ए समूह का सदस्य है। बेलिज 31 सितंबर 1981 को आजाद हुआ। यह 22,800 वर्ग किमी क्षेत्रफल वाला एक छोटा देश है जिसकी विविधतापूर्ण आबादी 3,50,000 से कम है तथा यह कैरीबियन सागर में स्थित है तथा इसके उत्तर में मैक्सिको एवं पश्चिम में ग्वाटेमाला है। मैक्सिको में भारत के राजदूत बेलिज के लिए भारत के अनिवासी उच्चायुक्त भी हैं। दोनों देशों के एक दूसरे देश में मानद कोंसुल जनरल हैं।

राजनीतिक

दूरी के बावजूद भारत एवं बेलिज के बीच मैत्रीपूर्ण, गर्मजोशीपूर्ण एवं मधुर संबंध हैं। संयुक्त राष्ट्र एवं अन्य बहुपक्षीय मंचों में अधिकांश मुद्दों पर परंपरागत रूप से बेलिज भारत का समर्थन करता है और भारत भी इन मुद्दों पर बेलिज का समर्थन करता है। राजनीतिक एवं वरिष्ठ स्तरों पर अनेक द्विपक्षीय यात्राओं से संबंधों में वृद्धि हुई है, जिनमें बेलिज की ओर से सीनेट के प्रेसीडेंट श्री फिलिप जुनिगा की सितंबर 2007 में नई दिल्ली में एक संसदीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत यात्रा और अक्टूबर 2010 में नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेल के लिए खेल एवं शासन मंत्री श्री जॉन बिर्चमन साल्डीवर की यात्रा तथा भारत की ओर से फरवरी / मार्च 2007 में बेलिज में राष्ट्रमंडल पर्यावरणीय संसदीय अध्ययन के लिए संसद सदस्य सुजान चक्रवर्ती की यात्रा और मई 2012 में बेलिज में राष्ट्रमंडल स्थानीय शासन मंच की बोर्ड बैठक के लिए शहरी विकास मंत्री श्री कमल नाथ की यात्रा शामिल है। विदेश राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) श्री वी के सिंह ने मई 2015 में ग्वाटेमाला शहर में भारत - एस आई सी ए मंत्री स्तरीय बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में बेलिज के विदेश मंत्री के साथ बैठक की थी।

द्विपक्षीय सहयोग

भारत इस समय एस आई सी ए देशों को प्रदान की गई ऋण सहायता के अंग के रूप में बेलिज को 30 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता का प्रस्ताव कर रहा है। भारत आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत बेलिज को हर साल 11 प्रशिक्षण स्लॉट तथा कुछ आई सी सी आर छात्रवृत्तियां भी प्रदान करता है।

हाल के वर्षों में बजाज थ्री व्हीलर, दवाओं, क्रिकेट से तथा एक भारत - बेलिज मैत्री कंप्यूटर केंद्र (सेंट जॉन कॉलेज) के लिए कंप्यूटर सेट के उपहार के रूप में आपदा राहत एवं विकास के लिए भारत ने बेलिज को सहायता प्रदान की है। वर्ष 2013 के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा किए गए अनुरोध के आधार पर बेलिज के पुलिस आयुक्त के सलाहकार के रूप में एक साल के लिए आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत एक वरिष्ठ आई पी एस अधिकारी को भारत ने प्रतिनियुक्ति पर भेजा। बेलिज के प्रधानमंत्री के अनुरोध के अनुसार बेलिज शहर में एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए प्रस्ताव पर सक्रियता से विचार किया जा

रहा है तथा इसकी संभाव्यता रिपोर्ट पूरी हो गई है। करों (ए ई आई एवं ए सी टी) के संबंध में संग्रहण में सहायता एवं सूचना के आदान प्रदान के लिए द्विपक्षीय करार को भारत और बेलिज ने सितंबर 2013 में पूरा किया है।

भारत - एस आई सी ए वार्ता

भारत ने मध्य अमेरिका के देशों के साथ संबंधों को सुदृढ़ करने एवं विस्तार करने के लिए एक संस्थानिक रूपरेखा प्रदान करने के लिए बेलिज सहित मध्य अमेरिका में एकीकरण प्रणाली के देशों के साथ विदेश मंत्रियों के स्तर पर इस वार्ता मंच की स्थापना की है। तीसरी बैठक सितंबर 2015 में ग्वाटेमाला सिटी में हुई थी। इस मंच के माध्यम से विविध प्रकार के मुद्दों पर सहयोग के लिए चर्चा होती है जिसमें संयुक्त राष्ट्र सुधार, आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, परमाणु नि:शस्त्रीकरण, खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन शामिल हैं।

भारत और एस आई सी ए के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक व्यवसाय मंच का गठन किया गया। भारत ने देश विशिष्ट परियोजनाओं या संयुक्त एस आई सी ए परियोजनाओं के लिए आठ एस आई सी ए देशों को 240 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण सहायता की घोषणा की जिसमें बेलिज के लिए 30 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता शामिल है।

आर्थिक एवं वाणिज्यिक

द्विपक्षीय व्यापार समझ में आने लायक ढंग से सीमित है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, यह 2013 में मात्र 45.4 मिलियन अमरीकी डालर था। 23 मिलियन अमरीकी डालर के भारतीय निर्यात में मुख्य रूप से वस्त्र, जैविक रसायन, भेषज पदार्थ तथा आटो पाट्र्स शामिल हैं और 22.4 मिलियन अमरीकी डालर के आयात में विविध रासायनिक उत्पाद शामिल हैं। बेलिज की अर्थव्यवस्था के कतिपय क्षेत्र जैसे कि पर्यटन, मछली पालन एवं खाद्य प्रसंस्करण भारतीय निवेशकों के लिए अच्छी संभावनाएं प्रस्तुत करते हैं। बेलिज में अपने वितरण नेटवर्क का विस्तार करने के लिए लैटिन अमेरिका आधारित भारतीय कंपनियों की भेषज पदार्थ के क्षेत्र में भी रुचि हो सकती है।

भारतीय समुदाय

भारतीय कारोबारी समुदाय के रूप में बेलिज में 500 से अधिक भारतीय समुदाय के लोग हैं जो मुख्य रूप से सिंधी हैं जिन्होंने हाल के दशकों में भारत से पलायन किया है तथा यह समुदाय भारत और बेलिज के बीच बहुमूल्य कड़ी का निर्माण करता है। आश्रितों को मिलाकर भारतीय समुदाय की संख्या 1500 के आसपास है जिसमें से लगभग 200 एन आर आई हैं तथा शेष पी आई ओ हैं।

तकरीबन 7 से 8 हजार का पूर्वी भारतीय का भी एक समुदाय है जो कैरीबियन से पलायन करके बेलिज पहुंचे हैं जिसकी शुरुआत 150 साल पहले हुई थी, जो स्थानीय समाज के साथ पूरी तरह घुलमिल गए हैं परंतु विभिन्न भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के

माध्यम से अपनी खोई हुई भारतीय जड़ों को फिर से तलाशने में रुचि प्रदर्शित की है। भारतीय समुदाय के दो संगठन हैं अर्थात बेलिज - भारत सौदागर संघ (बी आई एम ए) जो कोरोजल मुक्त व्यापार क्षेत्र में स्थित है तथा हाल ही में फिर से जिंदा किया गया बेलिज - भारतीय समुदाय (बी आई सी) जो बेलिज शहर में स्थित है। दोनों संघों के अपने अपने मंदिर हैं जो समुदाय की बृहद सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सामुदायिक केन्द्र के रूप में काम करते हैं। समुदाय में अनेक कैरेबियन तथा अन्य देशों की भागीदारी के साथ अगस्त 2014 में एक डायसपोरा सम्मेलन का आयोजन किया।

भारत की यात्रा करने के लिए बेलिज के नागरिकों को आनलाइन ई - टूरिस्ट वीजा की सुविधा प्रदान की गई है। हाल ही में, बेलिज सरकार ने वैध यू एस वीजा या यू एस ग्रीन कार्ड धारक भारतीय नागरिकों (अन्य नागरिकों के अलावा) को व्यवसाय, पर्यटन या सरकारी काम के लिए बेलिज की अल्पावधिक यात्रा के लिए बेलिज का वीजा प्राप्त करने की आवश्यकता से छूट प्रदान की है। ऐसे भारतीय नागरिकों को बेलिज में उनके इंट्री प्वाइंट पर 90 दिन तक प्रवास के लिए इंट्री परमिट जारी किया जाएगा। आधिकारिक एवं राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा से परस्पर छूट प्रदान करने के लिए भारत की और से प्रस्ताव को सैद्धांतिक रूप से बेलिज द्वारा स्वीकार कर लिया गया है तथा इस पर आगे की कार्रवाई चल रही है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास टेमा, मैक्सिको एवं बेलिज की वेबसाइट :
http://www.indembassy.org/index.php

***

जनवरी, 2016